capital investment of Rs. 192.96 crores and targetted production of 3 million tonnes per annum. The project has been delayed due to land acquisition and associated rehabilitation problems. After protracted correspondence and discussions with the Government of West Bengal the problem of land acquisition has now been almost overcome except that the rehabilitation of villages which are required to be shifted immediately is yet to be completed. Revised Cost Estimates for the project has been prepared according to which the tentative cost is Rs. 453.91 crores (1991 prices). This increase also includes the escalations which have taken place since the project was sanctioned.

कोयला क्षेत्र का निजीकरण

2322. **श्री मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनके मंत्रालय के विभिन्न क्षेत्रों में निजीकरण शुरु करने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस.बी. नथमेगौड़ा) : (क) और (ख) वर्तमान में कोयला खनन उद्योग का निजीकरण किए जाने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

अनियमितताओं के आधार पर साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों का निलंबन

2323. **कुमारी सुशीला तिरिया** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में कार्यरत कुल वरिष्ठ अधिकारियों को, जिन्हें गंभीर अनियमितताओं के आधार पर निलंबित कर दिया गया था, हाल ही में बहाल कर दिया गया है ; और

(ख) इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस.बी.नथमेगौड़ा) : (क) और (ख) साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० के महाप्रबंधक/मुख्य महा प्रबंधक के स्तर के दो अधिकारियों को वैगनों का कम मात्रा में लदान किए जाने के आरोपों के आधार पर 13-12-91 को निलंबित किया गया था । दो अधिकारियों को 21-12-91 को आरोप-पत्र दिया गया था । उनके द्वारा प्रस्तुत आरोप पत्रों के उत्तरों पर विचार करने के पश्चात् उक्त अधिकारियों के विरुद्ध लंबित पड़ी जांच की कार्रवाई पर पूर्वग्रह किए बिना सक्षम प्राधिकारी द्वारा उनके लंबित आदेश दिनांक 26-12-91 को रद्द, कर दिए गए ।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में गैर-प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए कोयले की आपूर्ति

2324. **कुमारी आलिया** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में कोयले का कुल कितना भण्डार है ;

(ख) क्या यह सच है कि इस क्षेत्र से गैर-प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए काफी मात्रा में कोककारी कोयले की आपूर्ति की जा रही है ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(घ) सरकार कोककारी कोयले की सम्पूर्ण मात्रा का उपयोग प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में करने के लिए क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस. बी. नथमेगौड़ा) : (क) कोल इंडिया लि० के अंतर्गत आने वाली नार्थ ईस्टर्न कोलफील्ड्स की कोलियरियों में 29-2-1992 को कोयले का पिटहैड स्टाक 1.16 लाख टन था ।

(ख) और (ग) कोल इंडिया लि० के अंतर्गत आने वाली नार्थ ईस्टर्न कोलफील्डस में उत्पादित कोयला अच्छी कोकिंग किस्म और कम राख की मात्रा वाला है, किन्तु इसमें उच्च सल्फर तत्व विद्यमान हैं। उच्च सल्फर तत्व होने के कारण यह कोयला इस्पात संयंत्रों में ब्लेंडिंग उद्देश्यों के लिए केवल सीमित रूप में ही उपयोग किया जा सकता है। कोयले की शेष मात्रा की महत्वपूर्ण तथा गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्र के उपभोक्ताओं जैसे, लेकों, सीमेंट, उर्वरक, कागज ईंट-भट्ठा उद्योग और अन्य उद्योगों को आपूर्ति की जा रही है।

(घ) परिष्करण किए जाने के पश्चात् इस्पात संयंत्रों में असम कोयले का अधिक उपयोग किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कोयले की राज्य-वार खपत

2325. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कोयले की राज्य-वार खपत कितनी है ;

(ख) उन राज्यों के नाम क्या-क्या हैं जिन्होंने उन्हें आवंटित माल-डिब्बों में कोयले की पूरी मात्रा का लदान निर्धारित समयावधि में कर दिया है ;

(ग) क्या यह सच है कि पिछले छः महीनों के दौरान कोयला उठाने के मामले में कुछ अनियमितताएं पाई गई हैं ;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और सरकार ने इस संबंध में क्या कार्यवाही की है ; और

(ङ) पिछले एक वर्ष के दौरान ईंट-भट्टों के लिए आपूर्ति किए गए कोयले की राज्य-वार मात्रा कितनी है ?

कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस. बी. नयमेगौड़ा) : (क) वर्ष 1990-91 के दौरान देश में कोयले की कुल आपूर्ति 210.07 मिलियन टन थी। वर्ष 1990-91 के दौरान कोल इंडिया लि० और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि० द्वारा विभिन्न राज्यों के उपभोक्ताओं को आपूर्ति किए गए कोयले (जिसमें हार्ड कोक और साफ्ट कोक शामिल है) की मात्रा नीचे की गई है :—

('000 टन में)

राज्य	कुल प्रेषण		
	को०इं०लि०	सि०को०क० लि०	जोड़
1	2	3	4
बिहार	17448	—	17448
उत्तर प्रदेश	27722	—	27722
उड़ीसा	8593	—	8593
मध्य प्रदेश	31588	—	31588
पश्चिमी बंगाल	15887	—	15887
महाराष्ट्र	20838	754	21592